Sixteenth Loksabha

>

Title: Regarding Rafale deal.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा):मैडम, मुझे इस बात की दुख है कि हम लोग एडजर्नमेन्ट मोशन सतत् इसलिए डाल रहे हैं कि आपका अटेन्शन इस पर ध्यान देने के लिए और इस विषय को जनता के सामने रखने के लिए है। खासकर जो राफेल डील है...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: रोज तो रखा ही जाता है और जनता के सामने भी रख रखे हैं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: इस पर चर्चा भी हो गई है ना। रोज चर्चा नहीं होती है।

...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: यह जो हुआ है, 35 हजार करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: एक घंटा चर्चा हुई है।

...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: इसका ज्वाइंट पार्लियामेन्ट्री कमेटी से इन्क्वायरी होना है।...(व्यवधान) प्राइम मिनिस्टर क्यों डर रहे हैं? मुझे मालूम नहीं ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : डरना क्या होता है? उन्होंने भी जवाब दे दिया है। सब हो गया है।

...(व्यवधान)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: The Prime Minister is not taking cognizance of it. We want JPC…(*Interruptions*)

मैडम स्पीकर, मैं एक और बात आपके नोटिस में लाना चाहता हूं।…(व्यवधान) जो सी एंड एजी की रिपोर्ट है, उसे राज्य सभा में पेश किया गया है।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष:… *

…(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: हमारे पास एजेन्डे में नहीं ।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अरे है, आप ऐजेन्डा देखते नहीं हो। …*पहले आप देख लो।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: सुनिए, जो सी एंड एजी की रिपोर्ट है, वह पहले ही लीक हुआ है।…(व्यवधान) It has already been leaked at 1040 hours.…(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष:…*पूछो न उनसे। पहले तो समझो।

…(व्यवधान)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: The Report was laid in Rajya Sabha at 11 o'clock but it was leaked at 1040 hours to Media. इससे जाहिर होता है कि राफेल डील को छुपाने के लिए हर कोशिश चल रही है।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष:कोई छुपाया नहीं है।

…(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे:…(व्यवधान)इसके लिए हम जेपीसी चाहते हैं। प्राइम मिनिस्टर आकर हमको कहें कि वह चर्चा के लिए तैयार हैं और जेपीसी के लिए तैयार हैं।…(व्यवधान) तो हम मानेंगे और उसकी चर्चा करेंगे।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष:चर्चा हो गई है। मैं दोबारा चर्चा के लिए अनुमति नहीं दूंगी।

…(व्यवधान)

गृह मंत्री (श्री राजनाथ सिंह): माननीय अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहता हूं कि रफैल के मुद्दे पर इस संसद में चर्चा हो चुकी है। साथ ही साथ सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में अपना फैसला दे दिया है। …(व्यवधान)

यह कैसी विडंबना है कि बराबर नेता प्रतिपक्ष अपनी तरफ से यह कोशिश कर रहे हैं, बार-बार असत्य को बोलकर सत्य साबित करने की कोशिश कर रहे हैं।…(व्यवधान) जनता को उनके द्वारा गुमराह करने की कोशिश की जा रही है। हैल्दी डेमोक्रेसी में, मैं समझता हूं कि यदि कोई पोलिटिक्स करना चाहता है तो जनता की आंख में धूल झोंककर उसे पोलिटिक्स नहीं करनी चाहिए, जनता की नजरों में नजर डालकर उसे पोलिटिक्स करनी चाहिए ।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष:* भी रख चुके हैं।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अब क्या है?

…(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा): इस पर चर्चा होनी चाहिए।…(व्यवधान) यह सच है। …(व्यवधान) हम साबित करके दिखाएंगे। यह सच है।…(व्यवधान) आप जेपीसी बिठाइए ।…(व्यवधान) अगर हम साबित नहीं कर पाए तो आप कुछ भी कह सकते हैं।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री एम.बी. राजेश ।

…(व्यवधान)